धर्म पर कोई लागू किया जा
सकता है

धर्म

सामान्य तौर से धर्म-दर्शन का विवेच-
वस्तु है। धर्म लेकिन धर्म एक जटिल
विवाद वस्तु है। धर्म के कोई वस्तु पर
और धर्म का अध्ययन भी अलग-अलग
दृष्टि से किया जा सकता है। उदाहरण
के तौर पर, प्रत्येक धर्म में कुछ धर्म
के संस्थापक और/या धर्म ग्रन्थों के
प्रति आदर की भावना रही है
~~प्रत्येक~~ इसके अलावा प्रत्येक धर्म
में किसी न किसी रूप में अतिप्राकृति
में विश्वास पाया जाता है। इसी तरह
प्रत्येक धर्म में इस विषय के सम्बन्ध
के बारे में मानव जीवन के प्रयोजन
-नियति और सर्वोच्च लक्ष्य के
बारे में कुछ मान्यताएं मौजूद रही
हैं जिन्हें हम उस धर्म की विश्व-दृष्टि
या जीवन दृष्टि कह सकते हैं।
इसके अलावा प्रत्येक धर्म के साथ
कुछ नैतिक मान्यताएं भी जुड़ी रही हैं